

ADDENDUM A

Manuscripts for the Judean Desert (DJD Series)			
Biblical (canonical) content		Non-Biblical content and <i>Pesharim</i>	
4QGen^b		1Q14 (1QpMic)	
fr. 1, col. ii:3 (Gen 2:16)	יהוה אלהים	fr. 1_5:1	אָן אָן
fr. 1, col. ii:5 (Gen 2:18)	יהוה אלהים	1Q15 (1QpZeph)	
fr. 3, col. i:3 (Gen 4:3)	יהוה	fr. 1:4	אָן אָן
4QGen^d		1QpHab	
fr. 1 (Gen 1:18, 20)	אלהים	6:14	אָן אָן
4QGen^f		10:7	אָן אָן
fr. 1 (Gen 48:9)	אלהים	10:14	אָן אָן
4QGen^g		11:10	אָן אָן
fr. 1 (Gen 1:2-10)	אלהים	1Q29 (Liturgy of the three tongues of fire)	
4QGen^j		fr. 1:7	יהוה
fr. 2, col. i (Gen 41:250)	האלהים	Fr. 3_4:3	יהוה
4Qpaleo-Gen^m		1QS (Rule of the community)	
PAM 41.387:5 (Gen 26:25)	יהוה	8:14	יִיִי
4QGen-Exod^a		2Q21 (2QApocryphon of Moses?)	
fr. 24-25, col. i:4 (Exod 4:28)	יהוה	fr. 1:4	יהוה
fr. 25, col. ii	יהוה	2Q22 (2QApocryphon of David?)	
line 5 (Exod 6:7)	יהוה אלהים	fr. 1:1	יהוה
line 9 (Exod 6:10)	יהוה	2Q30 (Unclassified)	
fr. 28:11 (Exod 6:13)	יהוה	Fr. 1.1	יהוה
fr. 33:2 (Exod 7:6)	יהוה	4Q88 (4QPs^f)	
fr. 34-35:3 (Exod 7:17)	יהוה	9.5 Eschatological Hymn	יהוה
4QExod^b		9.14	יהוה
fr. 2:6 (Exod 1:20)	אלהים	10.13 Apostrophe to Judah	יהוה
fr. 3, col. ii 5-6i		4Q158 (4QReworked Pentateuch^a)	
line 2 (Exod 3:14)	אלהים	fr. 1_2:15 (Gen 32.25-33; Exod 4:27-28)	יהוה
line 4 (Exod 3:15)	אלהים	fr. 1_2:16	יהוה
line 6 (Exod 3:16)	אלהים יהוה	fr.1_2:18	יהוה
line 10 (Exod 3:18)	אלהים יהוה	fr. 4:8 Ex 3.12; 24.4-6	יהוה
4QExod^c		fr. 5:3 Ex 19.17-23	יהוה
fr. 4:25, col. i (Exod 8:1)	יהוה	fr. 6:4 Ex 20.19-21	יהוה
fr. 5:30, col. i	יהוה	fr. 7_8:3 (Exod 20.12-17; Deut 5:30-31; Exod 20:22-26; 21:1-10)	יהוה

4QExod^d		fr. 10-12:10 (Exod 21:32-37; 22:1-3)	יהוה
PAM 43.012:1 (Exod 13:15)	יהוה	4Q161 (4QpIsa^a)	
4QExod^l		fr. 8-10, col. iii:13 (Isa 11:1-5)	איןאז
fr. 2:3 (Exod 8:1a)	איןאז	4Q162 (4QpIsa^b)	
2QExod^b		2.3 (Isa 5:11-14)	יהוה
fr. 2 (Exod 12:27)	איןאז	2.7 (Isa 5:24)	יהוה
fr. 7 (Exod 31:16)	איןאז	2.8 (Isa 5:25)	יהוה
fr. 8 (Exod 34:10)	איןאז	4Q163 (4QpIsa^c)	
4QpaleoExod^m		fr. 4-6, col. ii:17 (Isa 10:22-23)	יהוה
col. i:7 (Exod 6:29)	יהוה	fr. 6_7, col. ii:19 (Isa 10:24)	יהוה
col. i:8 (Exod 6:30)	יהוה	fr. 15_16:1 (Isa 29:10-12)	יהוה
col.ii:8 (Exod 7:18b)	יהוה	fr. 21:9 (Isa 30:1-5)	יהוה
col. v:13 (Exod 9:12)	יהוה	fr. 23, col. ii:9 (Isa 30:15-18)	יהוה
4QpaleoGen-Exod^l		4Q168 (4QMicah Pesher?)	
fr. 4:12 (Exod 3:1)	יהוה	f. 1+3:4 Mic 4.8-12	יהוה
fr. 10, col. ii:14 (Exod 14:24)	יהוה	4Q169 (4QpNah)	יהוה
fr. 17:2 (Exod 16:33)	יהוה	fr. 3_4, col. ii:10 (Nah 3:5)	יהוה
fr. 20:7 (Exod 18:21)	יהוה	4Q170 (4QpZeph)	
4QpaleoGen-Exod		fr. 1_2:1 (Zeph 1:12-13)	יהוה
fr. 4:12	אלהים	4Q171 (4QpPs^a)	
fr. 5, col. ii 5, 7	יהוה אלהים	fr. 1_10, col. ii:4 (Ps 37:9)	איןאז
fr. 7, col. ii 10	יהוה	fr. 1_10, col. iii:5 (Ps 37:20)	איןאז
fr. 10, col. ii	יהוה	4Q173 (4QpPs^b)	
fr. 17	יהוה	fr. 4:2 (Ps 129:7-8)	יהוה
fr. 20	יהוה	4Q174 (4QFlorilegium)	
4QExod-Lev^f		3:3 (Exod 15:17-18)	יהוה
fr. 2ii:11, col. ii f(Exod 40:16)	יהוה	3:10 2 (Sam 7:12-14)	יהוה
PAM 43.012 (Exod 13:15)	יהוה	3:18 (Ps 2:1)	יהוה
fr. 1-2 (Exod 8:1a)	איןאז	4Q175 (4QTestimonia)	
fr. 2-3 (Lev 14:27)	יהוה	1:1 (Deut 5:28-29)	י
fr. 16-19 (Lev 19:5)	יהוה	1:19 (Deut 33:8-11)	י
fr. 20 (Lev 24:12)	יהוה	4Q176 (4QTanhumim)	
11QLev^a (11Q2)		fr. 1_2, col. i:6 (Isa 40:1-5)	י
fr. 2 (Lev 9:24)	איןאז	fr. 1_2, col. i:7 (Isa 40:1-5)	י
Lev 10.1	איןאז	fr. 1_2, col. i:9 (Isa 40:1-5)	י
4QLev^b		fr. 1_2, col. ii:6 (Isa 49:13-17)	י
fr. 1:16 (Lev 1:13)	יהוה	fr. 8_11:6 (Isa 54:4-10)	י



fr. 1:22 (Lev 2:1)	יהוה	fr. 8_11:8 (Isa 54:4-10)	י״י
fr. 8:5 (Lev 3:12)	יהוה	fr. 8_11:10 (Isa 54:4-10)	י״י
4QLev^c		4Q177 (4QCatena A)	
fr. 2:5 (Lev 4:2)	יהוה	1:7	ביהוה
4QLev^d		2:2	יהוה
fr. 4:4 (Lev 17:4)	יהוה	4:8 (Ps 6:4-5)	יהוה
4QLev^e		4Q183 (4QHistorical Work)	
fr. 3:2 (Lev 19:34)	יהוה	fr. 1, col. ii:3	ⲘⲚ
4QLev^g		fr. 2:1	ⲘⲚⲚⲚ
PAM 43.036:8 (Lev 7:25)	ⲘⲚⲚⲚ	4Q185 (4QSapiential Work)	
4QLev-Num^a		fr. 1_2, col. ii:3	יהוה
fr. 2:6 (Lev 14:27)	יהוה	4Q216 (4QJubilees^a)	
fr. 16-19:1 (Lev 19:3)	יהוה	1:3	יהוה
fr. 16-19:2 (Lev 19:5)	יהוה	1:5	יהוה
fr. 20:2 (Lev 24:12)	יהוה	4Q222 (4QJub^g)	
4QLev-Num^a		fr. 1:5	יהוה
fr. 33, col. i:13 (Num 3:11)	יהוה	4Q225 (4QpJub^a)	
fr. 46, col. ii:14 (Num 4:49)	יהוה	fr. 2, col. ii:10	יהוה
fr. 53-54:7 (Num 9:8)	יהוה	4Q248 (Acts of a Greek King)	
4QNum^b		fr. 1:5	י״י
fr. 1-4:12, col. i (Num 12:6)	יהוה	4Q266 (4QDamascus Document^a)	
XHev/SeNumbers^b		fr. 7:2	יהוה
col. i:24 (Num 2:3)	יהוה	4Q306 (4QMen of People who Err)	
col. i:30 (Num 2:6)	יהוה	fr. 3:5	י״י
4QDeut^a		4Q364 (4QReworked Pentateuch^b)	
PAM 43.102:7 (Deut 24:4)	יהוה	fr. 14:3 Exod 19.17?; 24.12-14	יהוה
4QDeut^b		fr. 24a_c:3 (Deut 2:30-3.2)	יהוה
fr. 6:8, col. III (Deut 31:30)	יהוה	fr. 25a_c:4 (Deut 3:18-23)	יהוה
fr. 3:15, col. I (Deut 30:11)	יהוה	fr. 25a_c:8 (Deut 3:18-23)	יהוה
4QDeut^c		fr. 26ai:4 (Deut 9:6-7)	יהוה
fr. 5:2 (Deut 8:2)	יהוה	fr. 26aii:2 (Deut 9:22-24)	יהוה
fr. 33, col. i:9 (Deut 16:11)	יהוה	fr. 26aii:5 (Deut 9:22-24)	יהוה
fr. 53:3 (Deut 29:19)	יהוה	fr. 26bii+e:1 (Deut 9:21?, 25?, 10:1-4)	יהוה
4QDeut^d		f. 26bii+e:3 (Deut 9:21?, 25?, 10:1-4)	יהוה

col. I:14 (Deut 2:33)	יהוה	fr. 26bii+e:9 (Deut 9:21?, 25?, 10:1-4)	יהוה
col. II:8 (Deut 3:20)	יהוה	4Q365 (4QReworked Pentateuch^c)	
4QDeut^e		fr. 2:5 (Exod 8:13-19)	יהוה
fr. 1:1 (Deut 3:24)	יהוה	fr. 2:6	יהוה
fr. 2i:17, col. i (Deut 7:12)	יהוה	fr. 2:7	יהוה
4QDeut^f		fr. 6b:3 (Exod 15:16-20)	יהוה
fr. 5:6 (Deut 8:6)	יהוה	fr. 6a ⁱⁱⁱ +6c:12 (Exod 15:22-26)	יהוה
fr. 9:2 (Deut 18:8)	יהוה	fr. 11i:2 (Exod 35:3-5)	יהוה
4QDeut^g		fr. 12b ⁱⁱⁱ :2 (Exod 39:1-16)	יהוה
fr. 9:12 (Deut 26:4)	יהוה	fr. 12b ⁱⁱⁱ :7	יהוה
4QDeut^{k2}		fr. 17a_c:4 (Lev 11:1-2)	יהוה
fr. 5:6 (Deut 26:3)	אֱלֹהֵינוּ	fr. 21:2 (Lev 13:51-52)	יהוה
4QDeut^l		fr. 23:2 (Lev 23:42-24:2)	יהוה
fr. 4-5 (Deut 29:5)	יהוה	fr. 23:3	יהוה
4QpaleoDeut^r		fr. 23:4	יהוה
fr. 3-4:1 (Deut 7:1)	יהוה	fr. 35ii:5 (Num 17:20-24)	יהוה
fr. 6:5 (Deut 7:18)	יהוה	4Q367 (4QReworked Pentateuch^c)	
5QDeut		fr. 1a_b.2 (Lev 11:47-13:1)	יהוה
fr. 1 col. i:2 (Deut 7.16)	יהוה	fr. 1a_b.10	יהוה
fr. 1 col. i:5 (Deut 7.17)	יהוה	fr. 2a_b.3 (Lev 15:14-15; 19:1-4, 9-15)	יהוה
XHev/Se 3 (XHevSeDeut)		4Q368 (4QapocrPent A)	
col. ii:4 (Deut 9:22)	יהוה	fr. 2:6	יהוה
XHev/SePhylactery		fr. 9:2	יהוה
fr. 1:1 (Exod 13:1)	יהוה	fr. 9:4	יהוה
fr. 1:5 (Exod 13:12)	יהוה	4Q370 (4QExhortation based on the flood)	
fr. 1:8 (Deut 6:5)	יהוה	fr. 1i.2	יהוה
fr. 1:15 (Deut 11:17)	יהוה	fr. 1i.3	יהוה
Unknown province¹		fr. 1ii.2	יהוה
col. I:26 Josh 1:8	יהוה	fr. 1ii.7	יהוה
1QIsa^a		4Q372 (4QapocrJoseph^b)	
col. i (Isa 1:3, 9, 18, 20)	יהוה	fr. 1:26	יהוה

¹ Dated to 86 BCE – 46 CE.

col. iii (Isa 3:15)	אדני יהוה	fr. 2:2	יהוה
col. iii (Isa 3:18)	אדני יהוה	fr. 3:7	יהוה
col. iii (Isa 6:12)	יהוה	fr. 4:4	יהוה
col. iii (Isa 7:3)	יהוה	4Q373 (4QapocrJoseph^c)	
col. iii (Isa 7:7)	יהוה	fr. 1a+b:6	יהוה
4QIsa^a		4Q374 (4QDiscourse on the Exodus)	
fr. 2, col. i (Isa 21:10)	צבאות אלהי	fr. 9:3	יהוה
fr. 2, col. ii (Isa 22:20)	יהוה	4Q375 (4QapocrMoses^a)	
4QIsa^b		fr. 1i:2	יהוה
fr. 3:12 (Isa 3:17)	אדני	fr. 1ii:8	יהוה
fr. 3:11, col. ii (Isa 5:25)	יהוה	4Q377 (4QapocrPent B)	
fr. 10-11:3 (Isa 18:7)	יהוה צבאות	fr. 2ii:3	יהוה
fr. 10-11:4 (Isa 18:7)	ליהוה צבאות	fr. 2ii:5	יהוה
fr. 10-11:18 (Isa 19:12)	יהוה צבאות	4Q378 (4QapocrJoshua^a)	
fr. 10-11:19 (Isa 19:14)	יהוה	fr. 11:1	יהוה
fr. 10-11:24 (Isa 19:17)	יהוה צבאות	fr. 12:3	יהוה
fr. 10-11:27 (Isa 19:19)	יהוה צבאות	fr. 14:4	יהוה
fr. 10-11:28 (Isa 19:20)	יהוה	4Q379 (4QapocrJoshua^b)	
fr. 25:12 (Isa 39:8)	יהוה	fr. 3i:2	יהוה
fr. 25:15 (Isa 40:2)	יהוה	fr. 3i:4	יהוה
fr. 31:6, col. ii (Isa 44:23)	יהוה	fr. 14:1	יהוה
fr. 33:5, col. i (Isa 45:24)	יהוה	fr. 22ii:5	יהוה
fr. 33:6, col. i (Isa 45:25)	יהוה	4Q380 (4QNon-Canonical Psalms A)	
4QIsa^c		fr. 1i.5	יהוה
fr. 2:11 (Isa 9:12)	יְהוָה	fr. 1i.8	יהוה
fr. 6:6 (Isa 11:9)	יְהוָה	fr. 1i.9	יהוה
fr. 8:2 (Isa 14:1)	יְהוָה	fr. 2.4	יהוה
fr. 8:6 (Isa 14:3)	יְהוָה	fr. 2.5	יהוה
fr. 9:26, col. i (Isa 22:12)	יְהוָה	4Q381 (4QNon-Canonical Psalms B)	
fr. 9:15, col. ii (Isa 23:11)	יְהוָה	fr.1:2	יהוה
fr. 12:24, col. ii (Isa 23:17)	יְהוָה	fr. 24a+b:4	יהוה
fr. 12:25, col.ii (Isa 23:18)	יְהוָה	fr. 24a+b:8 Ps 18.3	יהוה
fr. 54:26, col. i (Isa 23:18)	יְהוָה	fr. 33+35:2	יהוה
fr. 54:30, col.i (Isa 24:3)	יְהוָה	fr. 76_77:12	יהוה
fr. 54:40, col.i (Isa 24:14)	יְהוָה	fr. 86:2	יהוה



fr. 13:8 (Isa 24:21)	אָן אָן	4Q382 (4QParaphrase of Kings)	
fr. 53:30, col. ii (Isa 26:4)	אָן אָן	fr. 9:5	יהוה
fr. 53:34, col.ii (Isa 26:8)	אָן אָן	4Q385 (4QpsEzek^a)	
fr. 20:11 (Isa 30:15)	אָן אָן	fr. 2:3 (cf. Ezekiel 37)	יהוה
fr. 21:1 (Isa 33:2)	אָן אָן	fr. 2:4	יהוה
fr. 22:4 (Isa 33:5)	אָן אָן	fr. 2:8	יהוה
fr. 24:36 (Isa 44:5)	אָן אָן	fr. 2:9	יהוה
fr. 24:38 (Isa 44:6)	אָן אָן	fr. 3:2	יהוה
fr. 24:39 (Isa 44:6)	אָן אָן	fr. 3:3	יהוה
fr. 25:35 (Isa 45:3)	אָן אָן	fr. 3:4	יהוה
fr. 37:2 (Isa 52:10)	אָן אָן	fr. 4:4 cf. (Ezekiel 10)	יהוה
fr. 37:3 (Isa 52:10)	אָן אָן	fr. 4:7	יהוה
fr. 44,45:5 (Isa 54:13)	אָן אָן	4Q385a (4QpsMoses^a)	
fr. 46:17 (Isa 54:17)	אָן אָן	fr. 16a_b:7	יהוה
4QIsa^f		fr. 18ia_b:2	יהוה
fr. 1-2 (Isa 1:11)	יהוה	4Q385b (4QapocrJer^c)	
4Q51-4QSam^a		fr. 1:1	יהוה
fr. 158:21 (2 Sam 22:50)	יהוה	4Q386 (4QpsEzek^b)	
4QPs^a		fr. 1ii.1	יהוה
fr. 1 (Ps 5:13)	יהוה	fr. 1ii.2	יהוה
fr. 9, col. ii (Ps 71:1)	יהוה	fr. 1ii.3	יהוה
fr. 22, col. i (Ps 103:1)	יהוה	fr. 1iii.1	יהוה
4QPs^b		4Q388 (4QpsEzek^d)	
fr. 22, col. i (Ps 103:1)	יהוה	fr. 7.6	יהוה
4QPs^c		4Q391 (4QpsEzek^e)	
fr. 6-7 (Ps 27:13)	יהוה	fr. 36:1	י
4QPs^d		fr. 36:4	י
col. i Ps (147:2)	יהוה	fr. 52:5	י
col. ii Ps 104:1)	יהוה	fr. 55:2	י
4QPs^e		fr. 58:3	י
fr. 8 (Ps 89:50)	אדוני	fr. 65:5	י
fr. 8 (Ps 89:51)	אדוני	4Q393 (4QCommunal Confessions)	
fr. 14 (Ps 104:1)	יהוה יהוה	fr. 3:6	יהוה
4QPs^f		4Q406 (4QSongs of the Sabbath Sacrifice^g)	
col. ii (Ps 107:15)	ליהוה	fr. 1:2	אָן אָן פ
4QPs^g		4Q411 (4QSapiential	



		Hymn)	
col. 6, fr. 1, col. i (Ps 119:41)	יהוה	fr. 1ii.2	יהוה
4QPs^h		fr. 1ii.11	יהוה
fr.1-2 (Ps 119:12)	יהוה	fr. 1ii.12	יהוה
4QPs^m		fr. 1ii.13	יהוה
fr. 5-6 (Ps 97:6-9)	יהוה	fr. 1ii.17	יהוה
8QPs		4Q429 (4QHodayot^c)	
fr. 9:2 (Ps 18:7)	יהוה	fr. 6:2	יהוה
11QPs^a (11Q2)		4Q460 (4QNarrative Work and Prayer)	
fr. Ei (Ps 118:25, 26, 27)	אָן אָן	fr. 9i:10	יהוה
fr. Eii (Ps 104:31)	אָן אָן	4Q461 (4QNarrative B)	
11QPs^c (11Q7)		fr. 1.9	יהוה
fr. 1-2 (Ps 2:4)	אדוני	fr. 1.10	יהוה
fr. 4-7 (Ps 14:6)	יהוה	4Q462 (4QNarrative C^a)	
5/6HevPsalms (1b)²		fr. 1:7	יײי
col. iii, fr. 1, col. i:14 Ps 7.18	יהוה	fr. 1:12	יײי
col. iv, fr. 1, col. ii:17 Ps 9.17	יהוה	4Q466 (4QText Mentioning the Congregation of the Lord)	
col. iv, fr. 1, col. ii:25 Ps 10:3)	יהוה	fr. 1.3	יהוה
col. ix, fr. 6:18 (Ps 18:32)	יהוה	4Q474 (4QText Concerning Rachel and Joseph)	
		fr. 1.4	יהוה
		4Q480 (4QNarrative F)	
		fr. 1ii.2	יהוה
		4Q522 (4QapocrJoshua^c?)	
		fr. 5:4	יהוה
		fr. 9ii:5	יהוה
		4Q528 (4QHymnic or Sapiential Work B)	
		fr. 1:5	יהוה
		6Q15 (Damascus Document)	
		fr. 3:5	Ⲛⲫ
		6Q?? (Composed Hymn)	
		fr. 6:5	Ⲛⲫ

² Location is called Nahal Hever



fr. 8.1	כַּף
8Q5 (4QHymn)	
fr. 2:3	יהוה
11Q5 (11QPs^a)	
18:3 Ps 154.3-19 (Syriac Ps II)	אָן אָן
18:14	אָן אָן
18:15	אָן אָן
19:4 Plea for Deliverance	אָן אָן
19:6	אָן אָן
19:7	אָן אָן
19:11	אָן אָן
19:13	אָן אָן
19:16	אָן אָן
24:3 Ps 144.15; 155.1-19 (Syriac Ps III)	אָן אָן
24:6	אָן אָן
24:8	אָן אָן
24:12	אָן אָן
24:13	אָן אָן
24:15	אָן אָן
24:16	אָן אָן
26:9 Ps 149.9-150.6; Hymn to the Creator	אָן אָן
27:4 2 Sam 23.7; David's Composition; Ps 140.1-5	אָן אָן
28:5 Ps 134, 151A, 151B	אָן אָן
28:10	אָן אָן
11Q6 (11QPs^b)	
fr. 4_5.14 Plea for Deliverance	יהוה
11Q11 (11QapocrPs)	
1:4	ביהוה
3:3	יהוה
3:9	יהוה
3:10	יהוה
4:4	יהוה
5:8	יהוה
11Q19 (11QTemple^a)	
13:13	ליהוה
14:7	ליהוה



15:13	יהוה
17:12	ליהוה
17:13	ליהוה
18:13	ליהוה
18:14	ליהוה
20:14	יהוה
21:3	יהוה
21:8	יהוה
21:10	יהוה
21:16	יהוה
22:8	יהוה
22:14	יהוה
22:16	יהוה
23:17	ליהוה
24:9	יהוה
25:4	יהוה
25:13	ליהוה
28:6	יהוה
34:14	יהוה
39:8	ליהוה
54:14	יהוה
48:7	ליהוה
48:8	ליהוה
48:10	ליהוה
51:7	יהוה
53:8	יהוה
54:12	יהוה
54:13	יהוה
54:16	יהוה
55:9	ליהוה
55:14	ליהוה
60:21	יהוה
61:3	יהוה
63:7	יהוה
63:8	יהוה
11Q20 (11QTemple^b)	



1:4	ליהוה
1:19	יהוה
4:4	יהוה
6:2	ליהוה
fr. 37:1	יהוה
11Q22 (11QpaUnid)	
fr. 7.1	יהוה
PAM43663	יהוה
fr. 26.1	יהוה
PAM43674	יהוה
fr. 40:2	יהוה
PAM43678	יהוה
fr. 66:1	יהוה
fr. 68ii:1	יהוה
PAM43682	יהוה
fr. 28:1	יהוה
PAM43692	יהוה
fr. 40:1	יהוה
fr. 57:1	יהוה
fr. 78:1	יהוה
PAM43696	יהוה
fr. 26.1	יהוה

ADDENDUM B

Manuscripts from the Judean & Egyptian desert			
Judean Desert (DJD Series)		Egyptian Desert	
4QUnid gr		P.Oxy 3522	
fr. 2:6	eite kurio	fr. 1 (Job 42)	ⲉⲓⲧⲉ ⲕⲓⲣⲓⲟ
P. Fouad 266		P.Oxy 4443 (Ester 8-9)	
col. iv, fr. 5 (Deut 18:15)	ϰεοϰ	Esther 8-9	ϰεοϰ
col. iv, fr. 5 (Deut 18:15)	ϰεοϰ	P.Bodmer II ⲡ ⁶⁶	KS, KU, KE
col. iv, fr. 6 (Deut 18:16)	blank space	P.Bodmer XIV ⲡ ⁷⁵	KS, KU, KE
col. viii, fr. 10 (Deut 19:10)	blank space ϰεοϰ	P. Oxy 656	
col. viii, fr. 11 (Deut 19:14)	ⲥⲱⲃⲏ	plate 2 frg. c (Gen 24.42)	ὁ θεὸς τοῦ κυρίου
col. xv, frg. 21 (Deut 21:8)	ⲥⲱⲃⲏ	P. Oxy 1007	
col. xxxiii, fr. 49 (Deut 25:15)	ⲥⲱⲃⲏ ϰεοϰ	Gen 2 :8	ZZ OS̄
col. xxxiv, fr. 149 (Deut 25:16)	ⲥⲱⲃⲏ	Gen 2:18	ZZ OS̄
col. xxxix, fr. 59 (Deut 27:2)	ⲥⲱⲃⲏ ϰεοϰ	P. Oxy 1166	
4Q119 4QLXXLev^a		Genesis 16	KS̄ OS̄
fr. 1:1 (Lev 26:2)	blank space left in recon	P. Berlin 17213	
fr. 1:18 (Lev 26:13)	blank space left in recon	Gen 19:17	--- three letters
4Q120 4QpapLXXLev^b		Gen 19:18	--- three letters
fr. 1:11 (Lev 1:11)	[law]	P. Oxy 1075	
fr. 2:1 (Lev 2:3)	[law]	Exodus 40	KŪ
fr. 7:12 (Lev 3:12)	law	P. Heid 1359	
fr. 8:2 (Lev 3:14)	[law]	Unknown	IAW
fr. 20:4 (Lev 4:27)	law	Codex Sinaiticus	
4Q121 4QLXXNum		In all instances	KS,KU,KE, OS̄
col.i, fr. 2:10 (Num 3:42)	blank space left in recon	Codex Vaticanus	
4Q122 4QLXXDeut		In all instances	KS,KU,KE, OS̄
fr. 1:5 (Deut 11.4)	blank space left in recon	Codex Alexandrinus	
7Q1 4QLXXExodus		In all instances	KS,KU,KE, OS̄
Exodus 28			
7Q2 Epistle of Jer			
Baruch 6	----		
8HevXIIgr			
col. xviii:24 (Hab 2:16)	ⲉⲓⲧⲉ ⲕⲓⲣⲓⲟ		
col. xviii:39 (Hab 2:20)			
col. iii:36 (Jo 4:2)	ⲉⲓⲧⲉ ⲕⲓⲣⲓⲟ		
col. iv:33 (Mi 1.3)	ⲉⲓⲧⲉ ⲕⲓⲣⲓⲟ		
col. vii:39 (Mi 4.4)	ⲉⲓⲧⲉ ⲕⲓⲣⲓⲟ		



col.vii:41 (Mic 4.5)	ꞖꞖꞖꞖ
col.viii:6 (Mic 4.7)	ꞖꞖꞖꞖ
col.viii:40 (Mic 5.3(4))	ꞖꞖꞖꞖ
col. xxi:29 Zp 1.14	ꞖꞖꞖꞖ
col.xxi:37 Zp 1.17	ꞖꞖꞖꞖ
col.xxii:42 Zp 2.10	ꞖꞖꞖꞖ
col.xxviii:37 Za 1.3	ꞖꞖꞖꞖ
col.xxviii:42 Za 1.4	ꞖꞖꞖꞖ
col.xxxi:38 Za 3.6	ꞖꞖꞖꞖ
col. B2:3 Za 9.1	ꞖꞖꞖꞖ
P. Chester Beauty II Ꞗ ⁴⁶	KS, KU, KE



Ref	ψ	B	D ⁰⁵	C	F	G	Other
Luke	ψ ⁴⁶ ψ ⁴¹ ψ ⁴⁵ ψ ⁴⁰ ψ ³⁰ ψ ⁷² ψ ¹⁵ ψ ¹¹ ψ ⁶ ψ ⁴⁷ ψ ^{47c} ψ ⁷⁴ ψ ¹⁰⁰	B [*] B ² D [*] D ¹ D ² D ³ C [*] C ¹ C ² C ³					
1v9		κω	θυ	θυ			
2v9		κω κω κω	κω				θυ
Acts							
2v17		θς	θς	θς	κς	θς	κς
5v9							
6v7		θυ	θυ	θυ	κω	θυ	κω
8v24		κν	κν	κν	θν	κν	κν
8v25		θυ	κω	θυ	κω	κω	κω
10v33	κω	θυ	κω	κω	κω	θυ	κω
13v5		θυ	θυ	θυ	κω		θυ
16v10		θς	θς	θς	κς	θς	θς
16v14		κω	κω	κω	κω	θω	κω
16v32	κω	κω	θυ	κω	κω	κω	κω
20v28	κω	κω	θυ	κω	θυ	κω	κω
20v32		κω	θυ	κω	κω	κω	κω
21v20		θν	θν	θν	κν	θν	θν
1 Thess							
3v9a		κω	θω	θω	θω		
3v9b		κω	θυ	θυ	θυ		
1 Cor							
1v6	χ ^υ	κω	κω	θυ	κω		θυ
4v10			κω				
7v40		χ ^υ					
10v9	χ ^υ	κν	θν	κν	χ ^υ	χ ^υ	χ ^υ
2 Cor							
8v5	θω	κω		κω			
8v21	τ. θυ	κω		κω			
11v17	κν	κν		κν			θν / ανθ
Rom							
8v35		θυ		θυ...χ ^ω			
10v17	χ ^υ	χ ^υ θυ	θυ	χ ^υ	χ ^υ	χ ^υ	
16v9	χ ^ω	χ ^ω	χ ^ω	χ ^ω	κω	κω	
Phil							
4v7	θυ	θυ	χ ^υ	θυ			
Phlm							
20		χ ^ω	χ ^ω		χ ^ω	κω	χ ^ω

Bibliography

- Aageson, James W. *Paul's Use of Scripture: A Comparative Study of Biblical Interpretation in Early Palestinian Judaism and the New Testament With Special Reference to Romans 9-11*. Oxford, London: Oxford University Press, 1983.
- _____. 1992. *Written Also for Our Sake – Paul and the Art of Biblical Interpretation*. Louisville, Kentucky: Westminster/John Knox Press
- Abasciano, Brian J. *Paul's use of the Old Testament in Romans 9.10-18*. New York: T & T Clark, 2011.
- Achim, B. "Gen 15,6 und das Vorverständnis des Paulus." *ZNW* 109. 3 (1997), 329-332.
- Aletti, J.-N. "Romans 4 et Genese 17 Quelle evnigné et quelle solution?" *Biblica* 84, (2003), 305-325.
- Allison, Robert W. "Let women be silent in the churches (1 Cor. 14.33b-36): what did Paul really say, and what did it mean?" *JSNT* 32, (1988), 27-60.
- Arndt, W. et al., *A Greek-English Lexicon of the New Testament and Other Early Christian Literature : A translation and adaption of the fourth revised and augmented edition of Walter Bauer's Griechisch-deutsches Wörterbuch zu den Schriften des Neuen Testaments und der übrigen urchristlichen Literatur (267)*. Chicago: University of Chicago Press, 1996.
- Barclay, John M. G. "Thessalonica and Corinth: Social Contrasts in Pauline Christianity." *JSNT* 47, (1992), 49-74.
- Barnett, P. *The Second Epistle to the Corinthians*. NICNT; Grand Rapids, Michigan: Wm. B. Eerdmans, 1997.
- Barthélemy, D. and Milik, J. T. *Qumran Cave 1 (DJD I)*. Oxford: Clarendon, 1955. xi + 163 pp. + xxxvii plates.
- Barrett, C. K. *A Commentary on the First Epistle to the Corinthians*. Adam & Charles Black: London, 1968.
- Bauckham, R. "Paul's Christology of Divine Identity.", 1-26. Cited 2 Feb. 2012. Online: http://www.forananswer.org/Top_JW/Richard_Bauckham.pdf.
- Baumgarten, J. M. "A new Qumran Substitute for the Divine Name and Mishnah Sukkah 4.5." *JBL* 83.2-3, (1992), 1-5.
- Beker, J. Christiaan. "Echoes and Intertextuality: On the Role of Scripture in Paul's Theology." Pages 64-69 in *Paul and the Scriptures of Israel*. Edited by Craig A. Evans and James A. Sanders. Sheffield: Sheffield Academic Press, 1993.

- Bellinger, J. R. and Farmer, W. R. (eds.). *Jesus and the Suffering Servant Isaiah 53 and Christian Origins*. Harrisburg, Pennsylvania: Trinity Press International, 1998, 193-222.
- Benoit, P., Milik, J. T. and de Vaux, R. *Les grottes de Murabba'at* (DJD II ; 2 vols). Oxford: Clarendon, 1961). xv + 314 pp. + cvii plates.
- Berger, K. "Die Herkunft von 1 Kor II. 9." *NTS* 24.2, (1978), 270-283.
- _____. 1995. *Theologieggeschichte des Urchristentums 2.Auflage-UTB Für Wissenschaft*. Tübingen: Francke Verlag.
- Bernstein, M. et al., (eds.). *Legal Texts and Legal Issues – Proceeding of the Second Meeting of the International Organization for Qumran Studies*. Leiden: Brill, 1997, 437-449.
- Blass, F., Debrunner, A., & Funk, R. W. *A Greek Grammar of the New Testament and other Early Christian Literature* (78). Chicago: University of Chicago Press, 1961.
- Blum, E. "Der vermeintliche Gottesname >Elohim<," in *Gott Nennen*." Pages 98-119 in *Gott Nennen – Religion in Philosophy and Theology* 35. Edited by Ingolf U. Dalferth and Phillip Stoellger. Tübingen: Mohr Siebeck, 2008.
- Bookidis, N. and Fisher, J. E. "Sanctuary of Demeter and Kore on Acrocorinth-Preliminary Report V:1971-1973." *Hesperia* 43, (1974), 267-307.
- Bousset, W. *Kyrios Christos – Geschichte des Christusglaubens von den Anfängen des Christentums bis Irenaeus*. Göttingen: Vanderhoeck & Ruprecht, 1926.
- Brandenburger, E. "Paulinische Schriftauslegung in der Kontroverse um das Verheißungswort Gottes (Röm 9)." *Zeitschrift für Theologie und Kirche* 82.1, (1985), 1-47.
- Broneer, O. "Hero Cults in the Corinthian Agora." *Hesperia* 11, (1942), 128-161.
- _____. 1971. "Paul and the Pagan Cults at Isthmia." *HTR* 64 169-187.
- Brotzman, Ellis R. *Old Testament – Textual Criticism – A Practical Introduction*. Michigan: Baker Books House Co, 1994, 37-62.
- Brownlee, W. H. "The Ineffable Name of God." *BASOR* 226, (1977), 39-46.
- Capes, David B. *Paul's use of Old Testament Yahweh-Texts and its Implications for his Christology*. Tübingen: Mohr & Paul Siebeck, Year?.
- Cerfaux, L. "Kyrios' dans les citations pauliniennes de l'Ancien Testament." *ETL* 20, (1943), 5-17.
- Charles, B. (ed.). *Studies in Jewish Bibliography, History, and Literature in Honor of I. Edward*. Kiev: Ktav Publishing House, 1974, 581-587.

- Cheung, A.T. *Idol Food in Corinth – Jewish Background and Pauline Legacy*. Sheffield: Sheffield Academic Press, 1999.
- Cohn, L. and Wendland, P. (eds.). *Philonis Alexandrini Opera Quae Supersunt*. Berlin: G. Reimer, 1896-1915.
- Colson, F. H. Loeb Classical Library, *Hypothetica* and *De Providentia* in the Philo–edition of the Loeb Classical Library 9. Cambridge, Massachusetts: Harvard University Press: Cambridge, 1941.
- Conzelmann, H. *Der erste Brief an die Korinther*. KEK 5/11; Vanderhoeck & Ruprecht: Göttingen, 1967, 147-149.
- Cotton, H. M. and A. Yardeni. Aramaic, Hebrew, and Greek Documentary Texts from Nahal Hever and Other Sites, with an Appendix Containing Alleged Qumran Texts (The Seiyâl Collection II) (DJD XXVII ; Oxford: Clarendon). xxvii + 381 pp. + 33 figures + lxi plates, 1997.
- Cranfield, C. E. B. *The Epistle to the Romans*. ICC vol. 1, Romans I-VIII. Edinburgh: T & T Clark, 1975.
- Crüsemann, M. “Der Gottesname im Neuen Testament.” *Junge Kirche* 68.4, (2007) 16-21.
- Cullmann, O. *The Christology of the New Testament*. London: SCM Press LTD, 1963, 199-203.
- Dahl, N. A. and Segal, Alan F. “Philo and the Rabbis on the Names of God.” *JSJ* 9.2, (1978), 1-28.
- Dalferth, Ingolf U. and Stoellger, P. (eds). *Gott Nennen – Religion in Philosophy and Theology*, vol. 35, Tübingen: Mohr Siebeck, 2008, 23-71; 73-95; 98-119 and 143-172.
- Davila, James R. “The Name of God at Moriah: An unpublished fragment from 4QGenExod^a.” *JBL* 110.4, (1991), 577-582.
- De Troyer, K. “The Pronunciation of the Names of God.” In *Gott Nennen – Religion in Philosophy and Theology* 35. Edited by Ingolf U. Dalferth and Phillip Stoellger. Tübingen: Mohr Siebeck, 2008, 143-172.
- Delcor, M. “Des Diverses Manières d’écrire le Tétragramme Sacré dans les Anciens Documents Hébraïques,” *RHR* 147.
- Dewey, Arthur J. “A Re-Hearing of Romans 10:1-15.” *Semeia* 65, (1994), 109-126.
- Dubois, Jean D. “L’utilisation Gnostique du Centon Biblique Cité en 1 Corinthiens 2,9.” *Kata tus* 70, 1995, 371.

- Duke Williams III, H. H. The Psalms in 1 and 2 Corinthians. Pages 163-180 in *The Psalms in the New Testament*. Edited by Steve Moyise and Maarten J. J. Menken. T & T Clark: London, 2004.
- Dunn, James. D. G. *Romans 1-8*. WBC vol. 38a; Dallas, Texas: Word Books, 1988, 11.
- _____. 1997. "KYPIOΣ in Acts." *Jesus Christus als die Mitte der Schrift: Studien zur Hermeneutik des Evangeliums*. Edited by Christof Landmesser; Hans Joachim and Hermann Lichtenberger, 363-378.
- _____. 1998. *The Theology of Paul the Apostle*. Grand Rapids, Michigan: Wm. B. Eerdmans,.
- _____. 2005. *The New Perspective on Paul*. Grand Rapids, Michigan: Wm. B. Eerdmans,
- Ehrman, Bart D. *Studies in the Textual Criticism of the New Testament – New Testament Tools and Studies 33*. Leiden: Brill, 2006, 148-149.
- Ellis, E. Earle. *Paul's use of the Old Testament*. Grand Rapids, Mich: Wm. B. Eerdmans, 1957.
- Epp, Eldon J. "Textual Criticism in the Exegesis of the New Testament, originally... with an Excursus on Canon." Pages 461-496 in *Perspectives on New Testament Textual Criticism – Supplements to Novum Testamentum, vol. 116*. Edited by M. M. Mitchell and D. P. Moessner. Leiden: Brill, 2005. Repr. from *Handbook to Exegesis of the New Testament*. Edited by Stanley E. Porter; New Testament Tools and Studies 25. Leiden: Brill, 1997, 45-97.
- _____. 2005. "The Oxyrhynchus New Testament Papyri: 'Not without honor except in their hometown'?" Pages 743-801 in *Perspectives on New Testament Textual Criticism – Supplements to Novum Testamentum, vol. 116*. Edited by M. M. Mitchell and D. P. Moessner. Leiden, Brill. Repr. from *Journal of Biblical Literature* 123.1, (2004), 5-55.
- Eriksson, A. "'Women tongue speakers, be silent': a reconstruction through Paul's rhetoric." *BI* 6.1, (1998), 80-104.
- Eshel, E et al., in consultation with VanderKam, J. and Brady, M. *Qumran Cave 4.VI: Poetical and Liturgical Texts, Part 1 (DJD XI)*. Oxford: Clarendon, 1998, xi + 473 pp. + xxxii pl.
- Evans, Craig A. and Sanders, James A. (eds.). *Paul and the Scriptures of Israel*. Sheffield: Sheffield Academic Press, 1993, 52-57 and 64-69.
- Finney, Mark T. "Christ crucified and the inversion of Roman imperial ideology in 1 Corinthians." *BTB* 35.1, (2005) 20-33

- Fischer, J. B. “The Term ΔΕΣΠΙΟΤΗΣ in Josephus.” *JQR* 49.2, (1958), 132-138.
- Fisher, J. E. “Sanctuary of Demeter and Kore on Acrocorinth.” *Hesperia* 63, (1974), 266-307.
- Fisk, Bruce N. “Synagogue Influence and Scriptural Knowledge among the Christians of Rome.” Pages 157-185 in *As it is Written – Studying Pauls use of Scripture*. Edited by Stanley E. Porter and Christopher D. Stanley. Atlanta: Society of Biblical Literature, 2008.
- Fitzmeyr, Joseph A. *Pauline Theology, a Brief Sketch by Joseph A. Fitzmeyr*. Englewood Cliffs: Prentice-Hall, 1967.
- _____. 1993. *Romans – A New Translation with Introduction and Commentary*. AB 33; New York: Doubleday,
- Flanagan, Neal M. “Did Paul put down women in 1 Cor 14:34-36?” *BTB* 11.1, (1981), 10-12
- Flint, P. W. and Ulrich, E. *Qumran Cave 1.II: The Isaiah Scrolls (DJD XXXII)*. Oxford : Clarendon, 2010.
- Foerster, W. “κύριος, D. ‘Lord’ in Later Judaism.” *TDNT* 3, 1081-1085.
- _____. “κύριος, E. κύριος in the New Testament.” *TDNT* 3, 1086-1095.
- _____. “κύριος.” *TDNT* 3, 1039-1058.
- Fotopoulos, J. *Food Offered to Idols in Roman Corinth*. Tübingen: Mohr Siebeck, 2003.
- Frenschkowski, M. “Kyrios in Context – Q6:46, the Emperor as ‘Lord’ and the Political Implication of Christology in Q.” Pages 95-118 in *Zwischen den Reichen - Neues Testament und Römische Herrschaft*. Edited by Michael Labahn and Jürgen Zangenberg. Marburg: Francke Verlag, 2002.
- Frid, Bo. “The Enigmatic ΑΛΛΑ in 1 Corinthians 2.9.” *NTS* 31.4 (1985), 603-611.
- García Martínez, F., Tigchelaar, E. J. C. and van der Woude A. S. *Qumran Cave 11.II: (11Q2–18, 11Q20–31) (DJD XXIII)*. Oxford: Clarendon, (1998). xiii + 487 pp. + liv plates.
- Gericke, J. W. “What is an לַאֵל? A Philosophical Analysis of the Concept of Generic Godhood in the Hebrew Bible. ” *OTE* 22.1, (2009), 21-46.
- Goppelt, L. *Theology of the New Testament, 2 vols*. Grand Rapids, Mich.: Wm. B. Eerdmans, 1982, 79-81.
- Greenbury, J. “1 Corinthians 14:34-35: evaluation of prophecy revisited.” *JETS* 51.4, (2008), 721-731.
- Grosheide, F. W. *Tweede Brief aan Korinthe. Commentar op het nieuwe Testament*. Kampen: J. H. Kok, 1959.

- Grudem, Wayne A. "1 Corinthians 14.20-25: prophecy and tongues as signs of God's attitude." *WTJ* 41.2, (1979), 381-396.
- Hahn, F. *Christologische Hoheitstitel. Ihre Geschichte im frühen Christentum*. Göttingen: *FRLANT* 83. 1963.
- _____. 2002. *The Titles of Jesus in Christology – Their History in Early Christianity*. England: James Clark Co., Ltd, 74-82
- _____. 2011. *Theologie des Neuen Testaments – Bd. I: Die Vielfalt des Neuen Testaments*. Tübingen: Mohr Siebeck (UTB),
- _____. 2011. *Theologie des Neuen Testaments – Bd. II: Die Einheit des Neuen Testaments*. Tübingen: Mohr Siebeck (UTB).
- Harrisville, R. A. "Paul and the Psalms a Formal Study." *Word & World* 5.2, (1985) 168-179.
- Hartenstein, Friedhelm. "Die Geschichte JHWH's im Spiegel seiner Namen." Pages 73-95 in *Gott Nennen – Religion in Philosophy and Theology* 35. Edited by Ingolf U. Dalferth and Phillip Stoellger. Tübingen: Mohr Siebeck, 2008.
- Hays, Richard B. *Echoes of Scripture in the Letters of Paul*. London: Yale University Press, 1989, xi.
- Heil, John P. "From Remnant to Seed of Hope for Israel: Romans 9:27-29." *CBQ* 26.4, (2002), 703-720.
- Hengel, M. *The Septuagint as Christian Scripture – Its Prehistory and the Problem of its Canon*. London: T & T Clark International, xi, 2004.
- Hiebert, Robert. J. et al. (ed.). *The Old Greek Psalter – Studies in Honour of Albert Pietersma*. *JSOTS* 332, (2001), 21-35.
- Hui, E. *Regulations Concerning Tongues and Prophecy in 1 Corinthians 14.26-40*. London: T & T Clark, 2010.
- Hoffman, Joel M. *In the Beginning – A Short history of the Hebrew Language*. New York: New York University Press, 2004
- Holst, R. "The Meaning 'Abraham believed God' in Romans 4:3." *WTJ* 59, (1997), 319-326.
- Horsley, Richard A (ed.). *Paul and Empire – Religion and Power in Roman Imperial Society*. Harrisburg: Trinity Press International, 1997, 160-183.
- _____. 2000. *Paul and Politics: Ekklesia, Israel, Imperium, Interpretation*. Harrisburg: Trinity Press International,
- _____. 2004. *Paul and the Roman Imperial Order*. Harrisburg: Trinity Press International, .

- Hoskins Walbank, M. E. "Evidence for the imperial cult in Julio-Claudian Corinth." Pages 201-214 in *Subject and Ruler: The Cult of the Ruling Power in Classical Antiquity*. Edited by A. Small. ANN ARBOR MI, printed by Thomson-Shore; Michigan: Dexter, 1996.
- Howard, G. "The Tetragram and the New Testament." *JBL* 96.1, (1978), 63-83.
- Hughes, R. B. "Textual & Hermeneutical Aspects of Paul's use of the O.T. in 1 & 2 Corinthians." Ph.D. diss., University of Edinburgh, 1978.
- Hurtado, Larry W. "New Testament Christology: A Critique of Bousset's Influence." *TS* 40.2, (1979), 306-317.
- _____. 1980. "Forschungen zur Neutestamentlichen Christologie seit Bousset – Forschungsrichtungen und Bedeutende Beiträge." *TB* 11.4, (1980)158-171,
- _____. 1998. "The Origin of the Nomina Sacra: A Proposal." *JBL* 117.4, 655-673.
- _____. 2003. "P52 (P. Rylands GK 457) and the nomina sacra: Method and Probability." *TB* 54.11-14.
- _____. 2006. *The Earliest Christian Artifacts – Manuscripts and Christian Origin*. Grand Rapids, Michigan: Wm. B. Eerdmans
- Jervis, L. A. "1 Corinthians 14.34-35: A Reconsideration of Paul's Limitation of the Free Speech of Some Corinthian Women." *JSNT* 58, (1995), 51-74.
- Johanson, Bruce C. "Tongues, a Sign for Unbelievers?: a structural and exegetical study of I Corinthians XIV.20-25 / B.C." *NTS* 25.2, (1979), 180-203.
- Jull, A. J. T. et al. "Radiocarbon Dating of Scrolls and Linen Fragments from the Judean Desert," *Radiocarbon* 37.1, (1994), 11-19.
- Kahana, H. *Esther – Juxtaposition of the Septuagint Translation with the Hebrew text*. Leuven: Peeters, 2005.
- Kammler, H.-C. "Die Prädikation Jesu Christi als »Gott« und die paulinische Christologie." *ZNW* 94.3/4, (2003), 164-180.
- Käsemann, E. *Commentary on Romans*. Grand Rapids, Mich.: SCM Press Ltd, 1980.
- Kautsch, E. *De Veteris Testamenti loci a Paulo Apostolo Allegatis*. Leipzig: Lipsiae, 1869.
- Keener, C. S. *The IVP Bible Background Commentary: New Testament*. Downers Grove, Ill.: InterVarsity Press, 1993.
- Keesmaat, Sylvia C. "The Psalms in Romans and Galatians." Pages 139-162 in *The Psalms in the New Testament*. Edited by Steve Moyise and Maarten J. J. Menken. London: T & T Clark, 2004.

- Klumbies, P.-G. “Der Eine Gott des Paulus - Röm 3,21-31 als Brennpunkt paulinischer Theologie.” *ZNW* 85.3-4, (1994), 192-206.
- Koch, D.-A. “*Beobachtungen zum Christologischen Schriftgebrauch in den Vorpaulinischen Gemeinden.*” *ZNW* 71.3-4, (1980), 174-191.
- _____. 1985. “*Der Text von Hab.2.4b in der Septuaginta und im Neuen Testament.*” *ZNW* 76.1-2, 68-85.
- _____. 1986. “*Die Schrift als Zeuge des Evangeliums.*“ Tübingen: Mohr & Siebeck.
- _____. 1999. “Alles, was ἐν μακέλλῳ verkauft wird, eßt ...«, Die macella von Pompeji, Gerasa und Korinth und ihre Bedeutung für die Auslegung von 1Kor 10,25.” *ZNW* 90.3-4, 194-219
- _____. 2008. “Die Überlieferung und Verwendung der Septuagint im Ersten Nachchristlichen Jahrhundert.” Pages 42-65 in *Hellenistisches Christentum – Schriftverständnis – Ekklesiologie – Geschichte.* Göttingen: Vanderhoeck & Ruprecht,
- _____. 2008. *Hellenistisches Christentum: Schriftverständnis – Ekklesiologie – Geschichte.* Göttingen: Vanderhoeck & Ruprecht, 145-164,
- _____. 2010. “*The Quotations of Isaiah 8,14 and 28,16 in Romans 9,33 and 1 Peter 2,6.8 as Test Case for Old Testament Quotations in the New Testament.*” *ZNW* 101.2, 223-240.
- Koch, D.-A. And Lichtenberger (eds.). *Begegnungen zwischen Christentum und Judentum in Antike und Mittelalter.* Göttingen: Vanderhoeck & Ruprecht, 1993, 215-244.
- Koenen, L. *Three Rolls of the Early Septuaginta: Geneis and Deuteronomy.* Bonn: Rudolf Habelt Verlag, 1980, 3.
- Kontzi-Méresse, N. “Le Silence des Femmes dans L'assemblée : réflexion autour de 1 Corinthiens 14, 34-35.” *ETR* 80.2, (2005), 273-278.
- Kraus, Thomas J. *Ad Fontes: Original Manuscripts and Their Significance for Studying Early Christianity.* Leidein: Brill, 2007, 239-240.
- Labahn, M. and Zangenberg, J. (eds.). *Zwischen den Reichen: Neues Testament un Romische Herrschaft: Vorträge auf der Ersten Konferenz der European Association for Biblical Studies.* Tübingen: Francke, 2002, 95-118.
- Landmesser, C. et al., (eds.). *Jesus Christus als die Mitte der Schrift: Studien zur Hermeneutik des Evangeliums.* 363-378.
- Lauterbach, J. Z. “Substitutes for the Tetragramaton.” *AAJR* 2, 1930-1931, 39-67.

- Lindörner, M. “Das Schriftgemässe Evangelium des Paulus nach dem Zeugnis des Römerbrief – Funktionalität und Legitimität des Römerbriefes.” Ph.D. diss., University of South Africa, 2006.
- Lohse, E. *Der Brief an die Römer. KEK 4-15*; Göttingen: Vandenhoeck & Ruprecht, 2003
- Longenecker, Richard N. *Biblical Exegesis in the Apostolic Period*. Grand Rapids, Michigan: Wm. B. Eerdmans, 92-95.
- Louw, J. P., & Nida, E. A. *Greek-English Lexicon of the New Testament: Based on Semantic Domains* (electronic ed. of the 2nd edition.). New York: United Bible Societies, 1996.
- Lust, J. “The Divine Titles הַאֱלֹהִים and יְהוָה in Proto-Isaiah and Ezekiel,” In *Isaiah in Context: Studies in Honour of Arie van der Kooij on the Occasion of his Sixty-Fifth Birthday*. Edited by M. N. van der Meer et al. Leiden: Brill, 2010, 131-149.
- Lust, J., et al., *A Greek-English Lexicon of the Septuagint : Revised Edition*. Deutsche Bibelgesellschaft: Stuttgart, S.d. $\text{\epsilon\textnu\texttau\textlambda\texteta, -\texteta\textvarsigma}$, 2003.
- MacGraw, D. “The Imperial Cult: a new paradigm for understanding 2 Cor 2:14.” *RQ* 52.3, (2010), 145-156.
- Malina, B. J. and Pilch, J. J. *Letters of Paul – Social-Scientific Commentary*. Minneapolis: Fortress Press, 2006.
- Marmorstein, A. *Philo and the Names of God. JQR* 22.3, (1932), 295-306.
- Marcos, N. Fernandez. *The Septuagint in Context – Introduction to the Greek Version of the Bible*. Leiden, Boston: Brill, 2000, 18-20.
- Matera, Frank J. *II Corinthians – A Commentary*. NTL; Louisville, Kentucky: John Knox Press, 2003.
- Meeks, Wayne A. “The Social Context of Pauline Theology.” *Interpretation: A Journal Of Bible and Theology* 36.3, (1982), 266-277.
- Metzger, B. M. *A Textual Commentary on the Greek New Testament, second edition a Companion Volume to the United Bible Societies' Greek New Testament, 4th revised ed.* London: United Bible Societies, 1994
- Michel, O. *Paulus und seine Bibel*. Darmstadt: Wissenschaftliche Buchgesellschaft, 1972.
- _____. 1978. *Römerbrief. KEK 4-14*; Göttingen: Vandenhoeck & Ruprecht, 70.
- Mihaila, C. *The Paul-Apollos Relationship and Paul's Stance Toward Greco-Roman Rhetoric*. T & T Clark: London, 2005.
- Milleker, E. J. “Three Heads of Sarapis from Corinth.” *Hesperia* 54, (1985), 121-135.
- Miller, C. “The Imperial Cult in the Pauline Cities of Asia Minor and Greece.” *CBQ* 72.2, (2010), 314-332.

- Mitchell, M.M. and Moessner, D. P. (eds.). *Perspectives on New Testament Textual Criticism – Supplements to Novum Testamentum* 116. Leiden: Brill, 1997, 461-496 and 743-801.
- Moo, Douglas J. *The Epistle to the Romans*. Grand Rapids, Michigan: Wm. B. Eerdmans, 1996.
- Moyise, S and Menken, Maarten J.J. (eds.). *The Psalms in the New Testament*. T & T Clark: London, 2004, 139-180.
- _____. 2008. “Quotations.” Pages 15-28 in *As it is Written – Studying Pauls use of Scripture*. Edited by Stanley E. Porter and Christopher D. Stanley. Atlanta: Society of Biblical Literature, .
- Murtonen, A. *A Philological and Literature Treatise on the Old Testament Divine Names [El, Eloha, Elohim] and [Yahweh]*. Helsinki: Societas Orientalis Fennica, 1952.
- Newton, D. *Diety and Diet – The Dilemma of Sacrificial Food at Corinth*. Sheffield: Sheffield Academic Press, 1998.
- Niccum, C. “The voice of the manuscripts on the silence of women : the external evidence for 1 Cor 14.34-5.” *NTS* 43.2, (1997), 242-255
- Niehoff, Maren R. “Questions and Answers in Philo Genesis Rabbah.” *JSJ* 39, (2008), 337-366.
- Odell-Scott, David W. “Let the women speak in church : an egalitarian interpretation of 1 Cor 14:33b-36.” *BTB* 13.3, (1983), 90-93.
- Omanson, R. L., & Metzger, B. M. *A Textual Guide to the Greek New Testament: An Adaptation of Bruce M. Metzger's Textual Commentary for the Needs of Translators*. Stuttgart: Deutsche Bibelgesellschaft, 2006.
- Parry, Donald W. “4QSam^a and the Tetragrammaton.” Pages 106-125 in *Current Research and Technological Developments on the Dead Sea Scrolls – Conference on the Texts from the Judean Desert, Jerusalem, 30 April 1995*. Edited by Donald W. Parry and Stephen D. Ricks. Leiden: Brill, 1996.
- _____. 1997. “Notes on Divine Name avoidance in scriptural units of the legal texts of Qumran.” Pages 437-449 in *Legal texts and Legal issues – Proceeding of the Second Meeting of the International Organization for Qumran Studies*. Edited by M. Bernstein; F. G. Martinez and J. Kampen. Leiden: Brill,
- Parry, Donald. W. and Ricks, Stephen. D. (eds.). *Current Research and Technological Developments on the Dead Sea Scrolls – Conference on the Texts from the Judean Desert, Jerusalem, 30 April 1995*. Leiden: Brill, 1996, 106-125.

- Perkins, L. “KYPIOΣ: Articulation and Non-articulation in Greek Exodus.” *BIOSCS* 41, (2008), 17-33.
- Perrot, C, “Kyrios/Herr,” *Religion in Geschichte und Gegenwart – Handwörterbuch für Theologie und Religionswissenschaft Band 4 I-K*. J.C.B. Mohr (Paul Siebeck): Tübingen.
- Pietersma, A. “Kyrios or Tetragram: A Renewed Quest for the Original LXX.” Pages 85-114 in *De Septuaginta Studies in Honor of John William Wevers on his sixty-fifth birthday*. Edited by A. Pietersma and C. Cox. Canada: Benben Publications, 1984.
- Pietersma, A. and Cox, C. (eds.). *De Septuaginta Studies in honor of John William Wevers on his sixty-fifth birthday*. Canada: Benben Publications, 1984, 85-114.
- Pike, D. M. and Skinner, A. with a contribution by Szink, T. L. in consultation with J. VanderKam and M. Brady, *Qumran Cave 4.XXIII: Unidentified Fragments (DJD XXXIII)*. Oxford : Clarendon, 2001. xv + 376 pp. + xli plates.
- Plummer, A. *Second Epistle of St Paul to the Corinthians*. ICC, II Corinthians. Edinburgh: T & T Clark, 1960.
- Ponsot, H. “D’Isaïe, LXIV, 3 A I Corinthiens, II, 9.” *RB* 90.2, (1983), 229-242.
- Porter, Stanley E. *New Testament Tools and Studies* 25. Leiden: Brill, 1997, 45-97.
- _____. 1999. *Idioms of the Greek New Testament*. Sheffield: Sheffield Academic Press, 195.
- _____. 2006. *Paul and His Theology*. Leiden: Brill,
- _____. 2008. “Paul and his Bible: His Education and Access to the Scriptures of Israel.” Pages 97-124 in *As it is Written – Studying Pauls use of Scripture*. Edited by Stanley E. Porter and Christopher D. Stanley. Atlanta: Society of Biblical Literature,
- Porter, Stanley. E. and Stanley, Christopher D. (eds.). *As it is Written – Studying Pauls use of Scripture*. Atlanta: Society of Biblical Literature, 2008, 15-28; 9-124 and 157-185.
- Quesnel, M. “La figure des Moïse en Romains 9-11.” *New Testament Studies*, 49.3, (2003), 321-335.
- Rasmussen, K. L. et al. “The Effects of Possible Contamination on the Radiocarbon Dating of the Dead Sea Scrolls I: Castor Oil.” *Radiocarbon* 43.1, (2001), 127-132.
- Richard N. *Biblical Exegesis in the Apostolic Period*. Grand Rapids, Mich.: Wm. B. Eerdmans, 1999, 92-95.
- Ridderbos, H. *Aan de Romeinen*. Commentaar op het Nieuwe Testament; Kampen: J. H. Kok, 1959, 66.
- Roperts, P. “A Sign - Christian or Pagan?” *ET* 90.7, (1979), 199-203.

- Rösel, M. 1955. “יְהוָה,” in *Theologisches Wörterbuch zu den Qumrantexten* ([*ThWQ*]; Bd. 1; (eds.) H.-J. Fabry and U. Dahmen. 2011. Stuttgart: Kohlhammer, 1955.
- _____. 2000. *Adonaj - Warum Gott ‚Herr‘ Genannt Wird*. Tübingen: Mohr Siebeck, .
- _____. 2007. “The Reading and Translation of the Divine Name in the Masoretic Tradition and the Greek Pentateuch.” *JSOT* 31.4, 411-428.
- Rostock, G. Quell. “κύριος, C. The Old Testament Name of God.” *TDNT* 3, 1058-1081.
- Rowe, Arthur J. “Silence and the Christian Women of Corinth.” *Communio viatorum* 33.1-2, (1990), 41.
- Rowe, C. K. “Romans 10:13: What is the Name of the Lord?” *HBT* 22.1, (2000), 135-173.
- Royse, James R. *Scribal Habits in Early Greek New Testament Papyri*. Leiden: Brill, 2008.
- Sanders, James A. “Paul and Theological History.” Pages 52-57 in *Paul and the Scriptures of Israel*. Edited by Craig A. Evans and James A. Sanders. Sheffield: Sheffield Academic Press, 1993.
- _____. 1965. *The Psalms Scroll of Qumrân Cave 11 (11QPs a)* (DJD IV). Oxford: Clarendon. xi + 97 pp. + xvii plates.
- Sandnes, Karl O. “Prophecy - A Sign for Believers (1 Cor 14,20-25).” *Biblica* 77.1, (1996), 1-15.
- Schlier, H. *Der Römerbrief*. HThK 6/3; Freiburg: Herder, 1987, 17.
- Schmithals, W. *Der Römerbrief - Ein Kommentar*. Gütersloh, 1988.
- Schnelle, U. *Leben und Denken*. Berlin: Walter de Gruyter, 2003.
- _____. 2007. *Einleitung in das Neue Testament*. Göttingen: Vandenhoeck & Ruprecht, 345 and 350-351.
- _____. 2007. *Theologie des Neuen Testaments*. Göttingen: Vandenhoeck & Ruprecht, 521.
- Schowalter, Daniel N. and Friesen, Steven J. *Urban Religion in Roman Corinth. Interdisciplinary Approaches*. Cambridge: Harvard University Press, 2005.
- Seitz, E. “λόγον συντέμνων – eine Gerichtsankündigung? (Zu Römer 9,27/28).” *BN* 109, (2001), 56-82.
- Shaw, F. “The Emperor Gaius' Employment Of The Divine Name.” *SPA* 17, (2005), 33-48.
- Shiffman, L. H. et al. (ed.). *The Dead Sea Scrolls Fifty Years after their Discovery*. Israel: Israel Exploration Society, 2000, 40-50.
- Shum, S.-L. *Paul's use of Isaiah in Romans*. Tübingen: Mohr & Siebeck, 2002.

- Siegel, J. P. “The Employment of Paleo-Hebrew Characters for the Devine Names at Qumran in the Light of Tannaic Sources.” *HUC* 42, (1971), 159-172.
- _____. 1972. “The Alexandrians in Jerusalem and their Torah Scroll with Gold Tetragrammata.” *IEJ* 22, 39-43.
- Skehan, P. W., Ulrich, E. and Sanderson J. E. 1992. *Qumran Cave 4.IV: Palaeo-Hebrew and Greek Biblical Manuscripts* (DJD IX). Oxford: Clarendon, 1992. xiii + 250 pp. + xlvii plates.
- Small, A. (ed.). *Subject and Ruler: The Cult of the Ruling Power in Classical Antiquity*. ANN ARBOR MI, printed by Thomson-Shower; Michigan: Dexter, 1996, 201-214.
- Smith, D. E. “The Egyptian Cults at Corinth.” *HTR* 70, (1977), 201-231.
- Stanley, Christopher D. *Paul and the Language of Scripture – Citation Technique in the Pauline Epistles and Contemporary Literature*. New York: Cambridge University Press, 1992, 3-28.
- _____. 1993. “The Significance of Romans 11:3-4 for the Text History of the LXX Book of Kingdoms.” *JBL* 112.1, 43-54.
- Steymans, H. Ulrich. “Die Gottesbezeichnung Kyrio im Psalter der Septuaginta.” *L’Ecrit et l’Esprit*, 2005, 325-338
- Steyn, G. J. *A Quest for the Assumed LXX Vorlage of the Explicit Quotations in Hebrews*. Göttingen: Vandenhoeck & Ruprecht, 2011, 300-310.
- Talmon, S. “The Transmission History of the Text of the Hebrew Bible in the Light of Biblical Manuscripts from Qumran and other sites in Judean Desert.” Pages 40-50 in *The Dead Sea Scrolls Fifty Years after their Discovery*. Edited by L. H. Schiffman (et al.). Israel: Israel Exploration Society, 2000.
- Theissen, G. *Psychological Aspects of Pauline Theology*. Philadelphia: Fortress Press, 1987.
- Thiselton, A. C. *The First Epistle to the Corinthians : A Commentary on the Greek Text*. Grand Rapids, Michigan: Wm. B. Eerdmans, 2000.
- Tov, E. with the collaboration of R. A. Kraft. *The Greek Minor Prophets Scroll from Nahal Hever (8HevXIIgr) (DJD VIII) reprinted with corrections 1995*. x + 169 pp. + xx plates. Oxford: Clarendon, 1990.
- _____. 2004. *Scribal Practises and Approaches Reflected in the Texts found in the Judean Desert*. Leiden: Brill, 218 – 221.
- _____. 2008. <http://www.emanueltov.info/docs/varia/est.varia.pdf>, 519-521.
- Trasher, Bill. *The Attribute of God in Pauline Theology*. Ann Arbor, Michigan: University Microfilms International, 1986.

- Trobisch, D. *Die Endredaktion des Neuen Testaments*. Göttingen: Vandenhoeck & Ruprecht, 1996, 22-25.
- Tuckett, C. M. "Paul, Scripture and Ethics. Some Reflections." *NTS* 48.3, (2000), 403-424, 417.
- _____. 2006. "Nomina Sacra in Codex E." *JTS* 57.2, 487-499.
- Uehlinger, C. "Arbeit an Altorientalischen Gottesnamen." Pages 23-71 in *Gott Nennen – Religion in Philosophy and Theology* 35. Edited by Ingolf U. Dalferth and Phillip Stoellger. Tübingen: Mohr Siebeck, 2008, 23-71.
- Ulrich, E., Cross, F. M. et al. *Qumran Cave 4.IX: Deuteronomy, Joshua, Judges, Kings* (DJD XIV). Oxford: Clarendon; 1995; reprinted 1999). xv + 183 pp. + xxxvii plates.
- _____. 1999. *Qumran Cave 4.VII: Genesis to Numbers* (DJD XII). Oxford: Clarendon. xv + 272 pp. + xlix plates.
- Van der Meer, M. N. (ed.). *Isaiah in Context: Studies in Honour of Arie van der Kooij on the Occasion of his Sixty-Fifth Birthday*. Leiden: Brill, 131-149.
- Vegge, T. *Paulus und das Antike Schulwesen – Schule und Bildung des Paulus*. Berlin: Walter de Gruyter, 2006.
- Wagner, J. R. "The Heralds of Isaiah and the Mission of Paul – An Investigation of Paul's Use of Isaiah 51-55 in Romans." Pages 193-222 in *Jesus and the Suffering Servant Isaiah Isaiah 53 and Christian Origins*. Edited by J. R. Bellinger & W. R. Farmer. Harrisburg, Pennsylvania: Trinity Press International, 1998.
- _____. 2003. *Herhalds of the Good News – Isaiah and Paul in Concert in the Letter to the Romans*. Leiden: Brill, 6.
- Watson, F. *Paul and the Hermeneutics of Faith*. London: T & T Clark, 2004, 58.
- Weiss, B. *Der Codex D in der Apostelgeschichte Textkritische Untersuchung*, TU 17, (1897) Leipzig: J. C. Hinrichs.
- Weiss, J. *Der Erste Korintherbrief*. KEK 9; Vandenhoeck & Ruprecht: Göttingen, 1910.
- Wevers, J. William. "The Rendering of the Tetragram in the Psalter and Pentateuch: A Comparative Study." Pages 21-35 in *The old Greek Psalter – Studies in Honour of Albert Pietersma*. Edited by Robert J. Hiebert (et al.), *JSOTS* 332, (2001).
- Whiston, W. *The Works of Josephus: Complete and Unabridged*. Peabody: Hendrickson, 1996.

- Wilckens, U. *Der Brief an der Römer*. EKK 6-1; Zürich: Benziger and Neukirchener Verlag, 1973.
- _____. 2003. *Der Brief*, 150 and Lohse, Eduard. *Der Brief an die Römer*. KEK IV/XV; Göttingen: Vanderhoeck & Ruprecht, 112.
- Wilk, F. *Die Bedeutung des Jesajabuches für Paulus*. Göttingen: Vandenhoeck & Ruprecht, 1998.
- Williams, II, C. K. “The City of Corinth and its Domestic Religion.” *Hesperia* 50, (1981), 408-421.
- Williams, Drake H. H. III. “Of Rags and Riches – The Benefits of Hearing Jeremiah 9:23-24 within James 1:9-11.” *TB* 53.2, (2002) 273-282.
- Willis, W. L. “The ‘Mind of Christ’ in 1 Corinthians 2,16.” *Biblica* 70.1, (1989), 110-122.
- Windisch, H. *Der Zweite Korintherbrief*. KEK 9; Göttingen: Vanderhoeck & Ruprecht.
- Wolters, A. “The Tetragrammaton in the Psalms Scroll.” *Textus* 18, (1996), 87-99.
- Woyke, J. *Götter, ‚Götzen‘, Götterbilder – Aspekte einer Paulinschen ‚Theologie der Religionen.‘* Berlin: de Gruyter, 2005.
- Wright, Nicholas T. “Paul’s Gospel and Caesar’s Empire.” Pages 160-183 in *Paul and Politics: Ekklesia, Israel, Imperium, Interpretation*. Edited by Richard A. Horsley.
- Wutz, F. *Die Transkriptionen von der Septuaginta bis zu Hieronymus*. Stuttgart: TUVMG, 1933.
- Yonge, C. D. *The Works of Philo : Complete and Unabridged*. Peabody: Hendrickson, ‘Foreword.’, 1996.
- Zeitlin, S. “The Origin of the Pharisees Reaffirmed.” *JQR*, 59 no. 4 (1969), 255-267.
- Zimmerman, F. “A Suggested Source for some of the Substitute Names for YHWH.” Pages 581-587 in *Studies in Jewish Bibliography, History, and Literature in Honor of I. Edward*. Edited by Berlin Charles. Kiev: Ktav Publishing House, 1974.

Digital Resources

Logos Digital Library – version 4

Internet

<http://egora.uni-muenster.de/intf/veroef/ausgaben.shtml>

<http://www.sacred-texts.com/bib/bap/bap04.htm>

http://www.tertullian.org/rpearse/manuscripts/josephus_all.htm

<http://www.tlg.uci.edu/>